केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग प्रवेश - २

रविवार, ४ मार्च, २०१२ | समय : दोपहर २.०० से ४.१५ | कुल गुण : ७५

स्वामिनारायण

BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक्रसान मत किजिए ।**

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी का जन्म दिन — दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास ....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर ....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (५)	
	६ (८)	
विभाग-१, कुल गुण (३८)		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (६)	
	९ (५)	
	१० (५)	
	११ (६)	
	१२ (६)	
विभाग-२, कुल गुण (३७)		

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर

....

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ શબ્દોમાં . . . .

ચેકર - નામ

परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ :-

१. **आगे के मुख्य पृष्ठ पर परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ बारकोड अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

२. परीक्षार्थी को स्पष्ट और सुंदर अक्षर से आगे के पन्ने में मांगी हुई विवरण को लिखना अनिवार्य है ।

३. आप उत्तर पुस्तिका (जवाबवही) में कही भी, किसी भी जगह पर अपना नाम मत लिखें ।

४. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरिक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।

५. **बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

६. प्रश्न के गुण → | गुण : १ | | ← परीक्षक को प्रश्न जाँचकर गुण लिखने की जगह

७. **परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखि गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

८. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । अस्पष्ट उत्तर अमान्य होंगे ।

९. **परीक्षा खंड के बाहर** और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

१०. **परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'सबस्टीट्युट राईटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद्द गीनी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद्द मानी जाएगी ।**

११. **मुख्य परीक्षा के दिन उत्तरवही के इलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तर मान्य नही होंगे ।**

Important Instructions For Satsang Exam Students

1. **Please do not damage in any way the bar code printed on the front page.**
2. Please write clearly and legibly.
3. Do not write your name on the answer book.
4. On the day of the Final Satsang Examinations, all examinees should obtain the signature of the class supervisor on the answer sheet bearing their own personal details only.
5. Answer books without the signature of the Class Supervisor will **not** be considered **valid.**
6. Marks for Question → | 1 Mark | | ← Space for Examiner to write marks
7. **Write your answers with either a blue or black pen only. Answers written in pencil, or with a red, green or any other coloured pen will not be considered valid. Answers written in more than one coloured ink will not be considered valid.**
8. Follow the instructions while answering. Answers crossed out will not be considered valid.
9. Examinations taken at **unauthorized locations** or in which the exam rules have been violated will not be considered valid.
10. **Without the prior permission of the Pariksha Karyalay in Ahmedabad, answer papers written by substitute writers in place of the original candidate will not be accepted. Answer papers with more than one type of handwriting will not be accepted.**
11. **In Main Exam answers written on extra pages will not be considered valid.**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१	

विभाग - १ : किशोर सत्संग प्रवेश

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''पहले आप धाम में जायें उसके बाद मैं आ रही हूँ ।''

कौन कहता है ? .... किसको कहता है ? ....

कब कहता है ? ....

....

.... गुण : ३ [ ]

२. ''लेकिन भट्टजी ने इतना क्या दे दिया ?''

कौन कहता है ? .... किसको कहता है ? ....

कब कहता है ? ....

....

.... गुण : ३ [ ]

३. ''मैं तो आप का दास हूँ, मुझे आप अपना प्रभु क्यों बताते हो ?''

कौन कहता है ? .... किसको कहता है ? ....

कब कहता है ? ....

....

.... गुण : ३ [ ]

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. २ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. देवजीभाई की बात सुनकर सन्तों को बहुत आश्चर्य हुआ ।

....

....

....

....

.... गुण : २ [ ]

२. सगराम का चेहरा फीका पड़ गया; लेकिन भीतर से वह बहुत खुश हुआ ।

....

....

....

....

.... गुण : २ [ ]

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-२	

३. श्रीजीमहाराज ने जीवुबा को मीठा उलाहना दिया ।

....

....

....

....

.... गुण : २ | |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ३ ‘प्रभाशंकर और देवराम’ – **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)**

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-३		प्र-४	

....

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. सत्त्वशुद्धि से किस के दर्शन होते हैं ? | गुण : १ | |

....

....

२. महाभारत के अनुसार मद्यमाँस के त्याग का क्या महिमा कहा गया है ? | गुण : १ | |

....

....

३. दुबली भट्ट का मूल नाम क्या था ? | गुण : १ | |

....

....

४. समुद्रदेव किसका रूप धारण करके चारों भाईयों को मिले ? | गुण : १ | |

....

....

५. राघवानन्द और विश्वात्मानन्द स्वामी किस नाम से प्रख्यात थे ? | गुण : १ | |

....

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ५ ''एक व्यकित ने लाख रुपये की....'' – **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण लिखिए । (कुल गुण : ५)**

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र–५		प्र–६	

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ६ निम्नलिखित कीर्तन/अष्टक/श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । (कुल गुण : ८)

१. पुरुषोत्तमनारायण ....

....

.... सहजानन्दजी । गुण : २

२. कृपा करो ....

....

....

.... धारी रह्या । गुण : २

३. सदैव ....

....

.... नमामि । गुण : २

४. गंगा पापं ..... महाशया: ॥ – श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।

....

....

....

.... गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-७	

विभाग - २ : शास्त्रीजी महाराज

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''एक बात का ध्यान रखना, शास्त्रीजी महाराज को यहाँ छोड़कर आप लोग यहाँ से नहीं जाना ।''

कौन कहता है ? .... किसको कहता है ? ....

कब कहता है ? ....

....

.... गुण : ३ | |

२. ''ये खूँटे शेष नाग के माथे पर पड़े हैं, ये टस से मस अब नहीं हो सकते, इसलिये इनको हटाने का प्रयास न कीजियेगा ।''

कौन कहता है ? .... किसको कहता है ? ....

कब कहता है ? ....

....

.... गुण : ३ | |

३. ''वड़ताल के दो हज़ार साधुओं में शास्त्री यज्ञपुरुषदास जैसा सभी प्रकार से स्त्री और धन से परहेज करनेवाला शुद्ध त्यागी साधु आजतक मैंने नहीं देखा ।''

कौन कहता है ? .... किसको कहता है ? ....

कब कहता है ? ....

....

.... गुण : ३ | |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. आज से मेरे द्वारा जो भी सत्कर्म होंगे, जीवों का कल्याण होगा, उसका पूरा श्रेय आपको है ।

....

....

....

....

.... गुण : २ | |

२. आचार्य महाराज ने डुंगर भक्त को शीघ्रता से दीक्षा देने की मना की ।

....

....

....

....

.... गुण : २ | |

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-८		प्र-९	

३. शास्त्रीजी महाराज ने सोमा भगत को शुभाशीर्वाद दिया ।

....

....

....

....

.... गुण : २ [ ]

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ९ निम्नलिखित किन्हीं एक प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए । (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)

१. अड़सठ तीर्थ । २. विषम देशकाल । ३. वड़ताल में अक्षरपुरुषोत्तम का जयघोष ।

( ) ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१०		प्र-११	

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. डुंगर भक्त को किसने वर्तमान निवेदित किया ? गुण : १

....

....

२. झोला माँगने के लिए शास्त्रीजी महाराज ने कुबेरभाई को क्या समझाया ? गुण : १

....

....

३. शास्त्रीजी महाराज को प्रागजी भक्त के प्रथम दर्शन कहाँ हुए ? गुण : १

....

....

४. भगतजी महाराज ने यज्ञपुरुषदासजी को ठटकीला (ठाकरिया) बिच्छू क्यूँ कहा ? गुण : १

....

....

५. शास्त्रीजी महाराज की सुवर्ण जयन्ती कहाँ मनाई गई ? गुण : १

....

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.११ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (कुल गुण : ६)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. हीराभाई का परिवर्तन गुण : २

(१) [ ] आणंद गाँव के मोतीभाई के वंश के थे ।

(२) [ ] आप वर्तमान निवेदित करके सत्संगी हो जायें तो मैं भोजन करने को तैयार हूँ ।

(३) [ ] सारे खेडा जिले में उनके नाम से लोग काँपते थे ।

(४) [ ] हीराभाईने तुरन्त ही स्वामीश्री से वर्तमान लिये ।

२. कराँची में हरिभक्तों की विशाल सभा में भविष्यवाणी गुण : २

(१) [ ] आपका संकल्प सिद्ध होगा ।

(२) [ ] महाकाल आ रहा है ।

(३) [ ] यह विद्या का बहुत बड़ा भारी केन्द्र बनेगा ।

(४) [ ] अपना जो कुछ भी यहाँ हो, वह छोड़कर भी अपने वतन की ओर चले आना ।

३. गंगा-सागर का संगम गुण : २

(१) [ ] झीणा भक्त की स्वामीश्री के दर्शन की इच्छा राजकोट में परिपूर्ण हुई ।

(२) [ ] प्रथम दर्शन से ही उनके स्वरूप में लीन हो गये ।

(३) [ ] सारे संत स्वामीश्री के साथ बोचासण गये ।

(४) [ ] झीणा भक्त सद्‌गुरु माधवचरणदास स्वामी के शिष्य थे ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१२	

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । (कुल गुण : ६)

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

१. **भगतजी : परम एकान्तिक सत्पुरुष :** स्वामी की बात का प्रमाण देकर अपनी अद्‌भुत वाणी शैली से जो बात उन्होंने कही, इससे जागा भक्त की गरीबी का सबको निश्चय हो गया । ऐसे जागा भक्त से स्वामी अणुमात्र भी दूर नहीं है, यह रहस्य भी सब समझ गये ।

उ. ....

....

.... गुण : १ [ ]

२. **शुद्ध उपासना के मन्दिर :** भगतजी महाराज अहमदाबाद पधारे थे, उस समय द्वारका के रंगाचार्य वहीं थे। भगतजी महाराज जैसे सुयोग्य एकांतिक यदि अपने पक्ष में मिल जायें तो अहमदाबादवालों को शास्त्रार्थ में आसानी से हराया जा सकता है, यह सोचकर उन्होंने भगतजी महाराज से मिलने की इच्छा व्यक्त की ।

उ. ....

....

.... गुण : १ [ ]

३. **स्वामीश्री की महत्ता :** दोलतरामभाई तब से निर्गुण स्वामी को पहचानते थे, जब वे बम्बई में थे । निर्गुण स्वामी के प्रति उनके हृदय मे बहुत आदर था, वे हिन्दी एवं संस्कृत साहित्य के उपासक थे ।

उ. ....

....

.... गुण : १ [ ]

४. **ब्रह्मविद्या की राह :** यदि इतने बड़े पवित्रानन्द स्वामी जैसे सद्‌गुरु के शिष्य भी जागा भक्त जैसे पार्षद की कथावार्ता सुनने लगेंगे और दण्डवत् करे तो समाज में साधुओं की कोई कीमत नहीं रहेगी, फिर साधुओं को कौन मानेगा ?

उ. ....

....

.... गुण : १ [ ]

५. **गुणातीत के लिये तो माथा मुँड़वाया है :** हमारे इष्टदेव तो सीताराम हैं, यह साधुओं उनकी मूर्ति को छोड़कर अपने गुरु गुणातीतानन्द स्वामी, सहजानन्द स्वामी की मूर्तियों की प्रतिष्ठा करवायेंगे । और कुछ न सही, प्रथम खंड में सीताराम की मूर्ति की प्रतिष्ठा हो जाय तभी वह स्थान, मन्दिर कहलाने योग्य रहेगा ।

उ. ....

....

.... गुण : १ [ ]

६. **अटलादरा में मन्दिर का आदर:** निर्गुण स्वामी को भूमि दिखलाई, उस समय वहाँ वाघरीवास था । मोतीभाई ने वाघरीओं की भूमि लेकर निर्गुण स्वामी को दी और मन्दिर बनवाने के लिये बिनती की । वाघरीओं को दूसरी भूमि तो दिलवाई ही, लेकिन उस पर मकान भी बनवा दिये ।

उ. ....

....

.... गुण : १ [ ]

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**